

# जय जय विष्णु प्रिये

जय जय जनक सुनन्दिनी, हरि वन्दिनी हे ।  
दुष्ट निकंदिनि मात, जय जय विष्णु प्रिये ।

सकल मनोरथ दायनी, जग सोहिनी हे ।  
पशुपति मोहिनी मात, जय जय विष्णु प्रिये ।

विकट निशाचर कुंथिनी, दधिमंथिनी हे ।  
त्रिभुवन ग्रंथिनी मात, जय जय विष्णु प्रिये ।

दिवानाथ सम भासिनी, मुख हासिनि हे ।  
मरुधर वासिनी मात, जय जय विष्णु प्रिये ।

जगदंबे जय कारिणी, खल हारिणी हे ।  
मृगरिपुचारिनी मात, जय जय विष्णु प्रिये ।

पिपलाद मुनि पालिनी, वपु शालिनी हे ।  
खल खलदायनी मात जय जय विष्णु प्रिये ।

तेज - विजित सोदामिनी, हरि भामिनी हे ।  
अहि गज ग्रामिनी मात, जय जय विष्णु प्रिये ।

घरणीधर सुसहायिनी, श्रुति गायिनी हे ।  
वांछित दायिनी मात जय जय विष्णु प्रिये ।

Source: <https://www.bharattemples.com/jai-jai-vishnu-priye/>



# Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>